Seventeenth Loksabha

an>

Title: Discussion on the motion for consideration of the Direct Tax Vivad Se Vishwas Bill,2020(discussion not concluded).

THE MINISTER OF FINANCE AND MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for resolution of disputed tax and for matters connected therewith or incidental thereto, be taken into consideration … (*Interruptions*)

Sir, you are aware that during the Budget, I had very clearly stated in paragraph 126 that the Government has taken several measures to reduce tax litigations.…(*Interruptions*) Based on that, we came up with this scheme for the indirect taxes to reduce the litigation and in order to settle disputes …(*Interruptions*) Over 1,89,000 cases were pending. Similarly now, for the direct taxes, we want to take up dispute resolution in the form of Vivad Se Viswas Scheme…(*Interruptions*) There are, as of November, 2019, 4,83,000 direct tax cases which are pending in various appellate forums, such as, Commissioner of Appeal, IT80, High Court and also the Supreme Court …(*Interruptions*) Therefore, this Scheme, if brought in, will give settlement of dispute option for all those who wish to come under this Scheme. Of the 4,83,000 appeals which are pending at various levels, Rs.9.32 lakh crore are the estimated arrears … (*Interruptions*)

Therefore, this Scheme will be a great help for those who wish to settle disputes because people spend a lot of time and money …

(*Interruptions*) The entire details of the Scheme are also attached. We like the Members to participate in the discussion and give their valuable inputs …(*Interruptions*) Thank you.

माननीय अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ:-

> "कि विवादित कर के समाधान के लिए और उससे संबंधित अथवा उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए विधेयक पर विचार किया जाए । "

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास विधेयक पर बोलने का मौका दिया है । …(व्यवधान) महोदय, जब इस विधेयक को माननीय वित्त मंत्री सदन में प्रस्तुत कर थीं, तो विरोधी दल के नेता इस बात का विरोध कर रहे थे कि यह हिंदी में क्यों है । …(व्यवधान) उन्होंने कहा कि इसका नाम अंग्रेजी में होना चाहिए । …(व्यवधान)

डॉ. संजय जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद ।**…(**व्यवधान**)** हमारे कांग्रेस के लोग हमेशा इमपेशेंट होते हैं और इस विवाद से विश्वास विधेयक में भी उन्होंने अपना इमपेशेंस शो किया । **…(**व्यवधान**)** इन्होंने यह विरोध किया कि इसका नाम हिंदी में क्यों हैं**? …(**व्यवधान**)** अगर उन्होंने गलती से भी भारत के संविधान की धारा अनुच्छेद 120, Language to be used in Parliament या फिर अनुच्छेद 210, Language to be used in Legislature या फिर अनुच्छेद 343, Official Language of Union of India **या फिर** Article 348(b) or (c) where the President can allow the language of whatever he

wants या फिर अनुच्छेद 341, **Direction for development of Hindi,** इसमें से कोई भी अनुच्छेद ये लोग देख लेते, तो कम से कम से विवाद से विश्वास नाम क्यों इस बिल का है, इसका विरोध नहीं करते ।**...**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, दिक्कत यह नहीं है कि इस विधेयक का नाम हिंदी में क्यों है? ...(व्यवधान) दिक्कत यह है कि माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने अपने बजटीय भाषण में अंग्रेजी, हिंदी, कश्मीरी, तमिल, यहां तक कि फ्रेंच भाषा का भी प्रयोग किया, लेकिन उन्होंने एक शब्द भी इटैलियन में नहीं बोला ।...(व्यवधान) कांग्रेसी मित्रों को यह पच नहीं रहा है कि इनकी ...* जो खुद आर और पार बोलकर दंगा भड़काने का काम इस देश में करती हैं, उनकी भाषा में कोई एक शब्द भी क्यों नहीं है? ...(व्यवधान) इसीलिए इन लोगों को इस बिल से ऐतराज है ।...(व्यवधान)

जब भी एनडीए का कोई अच्छा कार्य होता है, ये लोग विवाद करते हैं ।...(व्यवधान) लेकिन भारत की जनता माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा विश्वास करती है और पूर्ण विश्वास के साथ हम सब लोग विकास पर विश्वास करते हैं ।...(व्यवधान) माननीय प्रधान मंत्री जी के समय में सबका साथ, सबका विकास, विवाद से विश्वास, सबका विकास जैसे शब्दों को धरातल पर उतारने का काम किया है । ...(व्यवधान) यूपीए की सरकार में भी बहुत सारे शब्दों का प्रयोग होता था । ...(व्यवधान) उनके जमाने में शब्द प्रयोग होते थे, पॉलिसी पैरालिसिस, बिचौलियों की सरकार, टैक्स टेररिज्म ।...(व्यवधान) इन सभी शब्दों के लिए और इस देश में हजारों सिखों की दंगा में हत्या करने की जिम्मेदार यह पार्टी है ।...(व्यवधान) इस पार्टी का यही चरित्र है ।...(व्यवधान) यह हर जगह विवाद करती है ।...(व्यवधान) हर जगह पहले दंगा भड़काती है और उसके बाद कहती है कि क्यों विवाद हो रहा है?...(व्यवधान)

महोदय, इन्हीं के जमाने में दुनिया में उस जमाने की जो सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी नोकिया थी, इसको इन्होंने टैक्स टेररिज्म करके, उसको तंग करके बंद कराया ।...(व्यवधान) जबकि भारत में आज के जमाने में दुनिया की

सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी सैमसंग ने भारत में अपनी सबसे बड़ी फैक्ट्री खोली ।...(व्यवधान) यही अंतर है इनमें और हम सभी में ।...(व्यवधान)

इस कानून से विरोधी दल बहुत दुखी हैं ।...(व्यवधान) इसलिए दुखी हैं, क्योंकि इसमें आईपीसी में कोई रिलीफ नहीं मिल रही है ।...(व्यवधान) इसमें धन शोधन निवारण अधिनियम में कोई रिलीफ नहीं मिल रही है ।...(व्यवधान) इसमें बेनामी सम्पत्ति निषेध अधिनियम में कोई रिलीफ नहीं मिल रही है ।...(व्यवधान) विदेशों में काला धन को इससे कोई मदद नहीं मिल रही है । ...(व्यवधान)

गैर-कानूनी संपत्ति में इनको कोई छूट नहीं मिल रही है, इसलिए इस विवाद से विश्वास बिल में न ...* मिल पा रही है ।...(व्यवधान) इसीलिए ये लोग इस तरह विरोध कर रहे हैं ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1997 में इनके जमाने में भी वालेंटरी डिस्कलोज़र ऑफ इनकम स्कीम आई थी । ...* ने छूट दी थी कि दुनिया का जितना कालाधन जो अपना है, लाओ और हमारे यहां सफेद कर लो, जैसा भी पैसा हो, चाहे विदेश से आया पैसा हो, चाहे रिश्वत से आया पैसा हो, चाहे ...* से आया पैसा हो । ...(व्यवधान) फर्क कि सभी कांग्रेसियों को छूट मिली, आज तक जितनी भी ...* की है, सब वालेंटरी डिस्कलोज़र स्कीम में सब क्लियर कर लो । ...(व्यवधान) हम न केवल सौ प्रतिशत टैक्स वसूल रहे हैं, बल्कि जो पैनेल्टी है, उस पर भी 25 प्रतिशत पैसा वसूल रहे हैं । कांग्रेस को इसीलिए सबसे ज्यादा तकलीफ हो रही है कि इनके ...* को कोई इसमें मदद नहीं मिल पा रही है ।...(व्यवधान)

मैं सभी विरोधी दलों से अनुरोध करूंगा कि 60 दिन का समय है, इस छूट का फायदा मोदी जी ने दिया है, उसका लाभ उठाएं, वरना फिर आप लोगों की हालत वैसे ही नोटबंदी के समय वाली हो जाएगी, केवल रोते रहेंगे ।...(व्यवधान) आज तक, तीन साल से आप नोटबंदी का रोना रो रहे हैं । ...(व्यवधान) जब भी बजट पर चर्चा होती है, तब इनका नोटबंदी का रोना शुरू हो जाता है ।...(व्यवधान) खासकर मैंने देखा, बंगाल के तथाकथित

एक सांसद ने कहा कि मेरी पार्टी से कोई नहीं बोलेगा, वह अकेले बोलेंगे और पूरे बजटीय भाषण में नोटबंदी से उनका अपना जो नुकसान हुआ था, उसका राग 25 मिनट अलापते रहे ।...(व्यवधान) खैर, नोटबंदी के समय जो पैसा बैंक में डाला था, अब आप लोग पैनेल्टी देकर, टैक्स भरकर इस कानून का फायदा उठाएं । आप लोगों के लिए तो कोई ज्यादा रकम नहीं है क्योंकि इससे बहुत ज्यादा आपकी रकम डूब गई है, लेकिन इससे आम जनता को बहुत फायदा होगा ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मेरा यही कहना है कि माननीय वित्त मंत्री जी इतना बढ़िया बिल लाई हैं । हमारे सांसद हैं, सन्नी देओल, उनका बहुत फेमस डॉयलाग है – तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख । इनकम टैक्स विभाग में इससे मुक्ति लेने का यह बहुत बड़ा उपाय हो सकता है ।...(व्यवधान) इसमें 56 परसेंट ऐसे केस हैं कि अगर हम जीत भी जाएं तो केवल .2 प्रतिशत राशि बकाया की मिल पाएगी । यहां तक कि अगर 66 परसेंट केस जीतते हैं तो केवल 1.8 प्रतिशत राशि वापस होगी । इस बिल में इन सबको रिलीफ मिलेगा । ...(व्यवधान) भारत में आज के समय में अगर कोई सबसे बड़ा मुकदमेबाज है तो वह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट है । इनकम टैक्स विभाग की हालत यह है कि 80 प्रतिशत केस में 30 प्रतिशत से भी कम जीतने का रिकॉर्ड है इसीलिए यह बहुत ही अच्छा बिल है । ...(व्यवधान) बेचारे आम करदाता जो पिसते रहते थे, कमिश्नर अपील में दो साल, इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्युनल में तीन से पांच साल, हाई कोर्ट में पांच से आठ साल, सुप्रीम कोर्ट में पांच साल, इस सब चक्कर में 4 लाख 83 हजार केस फंसे हुए हैं और 9.32 लाख करोड़ आम जनता और सरकार का फंसा हुआ है । इसकी एक भी पाई से न तो जनता को लाभ हो रहा है और न सरकार को लाभ हो रहा है । इस फैसले से सीबीडीटी के भी लगभग 41 प्रतिशत केसिस का समाधान निकलेगा । ...(व्यवधान) सरकार की पालिसी है – 'ट्रस्ट आवर सिटिजन', यह सही मायने में इस केस से साकार होगा ।...(व्यवधान) माननीय प्रधान मंत्री जी ने राजस्व ज्ञान गंगा में कहा था कि टैक्स कलैक्शन रैपिड होना चाहिए । रैपिड - आर से रेवेन्यु मोबिलाइजेशन, ए से एकाउंटिबिलिटी, पी से प्रोबिटी, आई से इन्फार्मेशन और डी से डिजिटलाइजेशन ।...(व्यवधान)

मैं माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने नरेन्द्र मोदी जी के इस सपने को जमीन पर उतारने में जिस तरह से 'सबका विश्वास' ने साथ दिया था, उसी तरह से 'विवाद से विश्वास' स्कीम भी बहुत सफल होगी और इससे आम करदाता, जिनके पास उतना भी पैसा बाकी नहीं रहता है और उससे ज्यादा वकीलों पर खर्चा कर देते हैं । ... (व्यवधान)

उन सबको इससे बचाव में मदद मिलेगी और नरेन्द्र मोदी जी की जो पॉलिसी है इस देश की हर जनता को विश्वास में लेकर के आगे बढ़ने की, उसका यह बिल अक्षरश: पालन करता है । यह अलग बात है कि कांग्रेस का यह चरित्र रहा है कि पहले इनकी तथाकथित ... * इस देश को भड़काती हैं कि आर या पार कर लेना है । ...(व्यवधान) भारत के किसी नागरिक से इसका कोई संबंध नहीं है ।...(व्यवधान) फिर भी, जब सोनिया गांधी ने और ... * ने इस देश में दंगे भड़काने के लिए आर या पार की बात कही, तभी इन्हीं लोगों ने दंगे का ... * किया है । ...(व्यवधान) इन लोगों की जांच होनी चाहिए । जितने भी तरह के ये मिले हैं, उन सबों में ये जिम्मेवार हैं । कांग्रेस के नेताओं की जांच होनी चाहिए कि ये सारे नेता उसमें मिले हुए हैं । जिस तरह से इन्होंने नोटबंदी में देश को लूटने का काम किया और इनके कालेधन को देश में पकड़ा गया, इसीलिए आज तक ये दु:खी रहते है । इसी प्रकार यह 'विवाद से विश्वास'...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

14.31 hrs

(The Lok Sabha then adjourned till Fifteen of the Clock)

-

-

-

-